

दर्शनशास्त्र विभाग
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला
Department of Philosophy
School of Humanities and Social Sciences



स्नातक पाठ्यक्रम
दर्शनशास्त्र
**Syllabus for Bachelor of Arts
Philosophy**
पाँचवाँ सेमेस्टर
Fifth Semester
मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
Value Enhancement Course
2026-27
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार
As per the National Education Policy 2020 Curriculum Framework

डॉ० हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
सागर, मध्यप्रदेश – 470003

Dr. Harisingh Gaur Vishwavidyalaya
(Central University)
Sagar, Madhya Pradesh – 470003

स्तर – 5.5 (Level – 5.5) तृतीय वर्ष (सेमेस्टर V) Third-Year (Semester V)						
पाठ्यक्रम की प्रकृति Nature of Course	विषय कोड Course Code	विषय शीर्षक Course Title	क्रेडिट Credits			
			L	T	P	C
Value Enhancement Course	PHL-VEC-520	सार्वभौम मानवीय मूल्य Universal Human Values	2	0	0	2
Value Enhancement Course	PHL-VEC-521	सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक न्याय : बी. आर. अम्बेडकर Social, Political and Economic Justice: B.R. Ambedkar	2	0	0	2

लेवल	सेमेस्टर	विषय कोड	विषय शीर्षक	क्रेडिट				अंक		
				L	T	P	C	आन्तरिक मूल्यांकन		बाह्य मूल्यांकन
L5.5	5	PHL-VEC-520	सार्वभौम मानवीय मूल्य	2	0	0	2	Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)

30 व्याख्यान/घंटा

- पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी में जीवन और व्यवसाय के साथ ही खुशी और समृद्धि के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करना है, जो मानवीय वास्तविकता और समस्त अस्तित्व की सही समझ पर आधारित हो।
- अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन से विद्यार्थी प्रकृति के साथ जुड़ाव की भावना के साथ अपने व्यक्तिगत, व्यावसायिक और सामाजिक जीवन के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करेंगे।

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी में निम्नलिखित बातों की अपेक्षा है:

- स्वयं के और अपने आस-पास के परिवेश (परिवार, समाज, प्रकृति) के बारे में ज्यादा जागरूक होना
- जीवन में अधिक उत्तरदायी होना और मानवीय स्वभाव एवं सम्बन्धों को ध्यान में रखते हुए समाधानोन्मुखी होना
- रचनात्मक आलोचनात्मक सोच विकसित करना
- जो बातें समझी हैं (मानवीय मूल्य, मानवीय संबंध और मानवीय समाज), उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर संवेदनशील बनना
- वास्तविक जीवन में अलग-अलग परिस्थिति में जो सीखा है, उसे स्वयं पर लागू करना और इस दिशा में निरंतर बढ़ना

विषय वस्तु

इकाई 1

मूल्य और धर्म, साध्य और साधन मूल्य
मूल्य शिक्षा को समझना
मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया के रूप में आत्म-अनुसंधान
मौलिक मानवीय आकांक्षाएँ: निरंतर सुख और समृद्धि
मौलिक मानवीय आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्यक्रम

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 2

मानव को जीवन और शरीर के सह-अस्तित्व के रूप में समझना
जीवन और शरीर की आवश्यकताओं में अंतर करना
शरीर को जीवन के एक साधन के रूप में समझना
जीवन में सामंजस्य को समझना
जीवन और शरीर के बीच सामंजस्य
संयम और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने का कार्यक्रम

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 3

परिवार में सामंजस्य—मानवीय व्यवहार की मूल इकाई
'विश्वास'—सम्बन्धों में आधारभूत मूल्य
'सम्मान'—सही मूल्यांकन के रूप में
अन्य भावनाएँ, मानव के बीच सम्बन्धों में न्याय
समाज में सामंजस्य को समझना
सार्वभौमिक मानवीय व्यवस्था के लिए दृष्टिकोण

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 4

प्रकृति में सामंजस्य को समझना
प्रकृति के चार स्तरों के बीच परस्पर संबंध, स्वतन्त्रता और परस्पर-पूरकता
सभी स्तरों पर अस्तित्व को सह-अस्तित्व के रूप में समझना
अस्तित्व में सामंजस्य की समग्र समझ

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 5

समग्र समझ के निहितार्थ – व्यावसायिक नैतिकता पर एक दृष्टि
मानवीय मूल्यों की स्वाभाविक स्वीकृति
नैतिक मानवीय आचरण की निश्चितता
मानवतावादी शिक्षा का आधार
मानवतावादी संविधान और सार्वभौमिक मानवीय व्यवस्था
व्यावसायिक नैतिकता में समर्थता
उत्तम तकनीकें, उत्पादन प्रणालियाँ और प्रबंधन मॉडल
मूल्य-आधारित जीवन और व्यवसाय की ओर बढ़ने की रणनीतियाँ

(6 व्याख्यान/घंटे)

आधारभूत पुस्तकें:

1. A Foundation Course in Human Values and Professional Ethics, R. R. Gaur et al., Excel Books, New Delhi 2006
2. Professional Ethics, R. Chadwick, Routledge Encyclopaedia of Philosophy, Edward Craig (ed.), Routledge, London, 1998
3. The Difficulty of Being Good, Gurucharan Das, Penguin Books, New Delhi, 1990
4. जीवन विद्या: एक परिचय, अग्रहार नागराज, जीवन विद्या प्रकाशन, अमरकंटक, 1999
5. वेबसाइट: www.madhyasth.org

Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits				Marks		
				L	T	P	C			
L5.5	5	PHL-VEC-520	Universal Human Values	2	0	0	2	Internal Assessment	External Assessment	
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)

30 lectures/hours

- 1. Learning Objectives:** This course is to create a holistic perspective among students towards life and profession as well as towards happiness and prosperity based on a correct understanding of the human reality and the rest of existence.
- 2. Course Learning Outcomes:** By undergoing this course, the students will develop a holistic perspective towards their personal, professional and social life with a feeling of interconnectedness with the Nature.

On completion of the course, the students are expected:

- To become more aware of themselves, and their surroundings (family, society, nature)
- To become more responsible in life, and in handling problems with sustainable solutions, while keeping human relationships and human nature in mind
- To have better critical ability
- To become sensitive to their commitment towards what they have understood (human values, human relationship and human society)
- To apply what they have learnt to their own self in different day-to-day settings in real life, at least a beginning would be made in this direction

Course Content

Unit I

Value and Dharma, Intrinsic and Extrinsic Value
Understanding Value Education
Self-exploration as the Process for Value Education
Basic Human Aspirations: Continuous Happiness and Prosperity
Program to Fulfil the Basic Human Aspirations

(6 lectures/hours)

Unit II

Understanding Human being as the Co-existence of the Self and the Body
Distinguishing between the Needs of the Self and the Body
The Body as an Instrument of the Self
Understanding Harmony in the Self
Harmony of the Self with the Body
Programme to ensure Self-regulation and Health

(6 lectures/hours)

Unit III

Harmony in the Family—the Basic Unit of Human Interaction
‘Trust’- the Foundational Value in Relationship
‘Respect’- as the Right Evaluation

Other Feelings, Justice in Human-to-Human Relationship
Understanding Harmony in the Society
Vision for the Universal Human Order

(6 lectures/hours)

Unit IV

Understanding Harmony in the Nature
Interconnectedness, Self-regulation and Mutual Fulfilment among the Four Orders of Nature
Realizing Existence as Co-existence at All Levels
The Holistic Perception of Harmony in Existence

(6 lectures/hours)

Unit V

Implications of the Holistic Understanding - a Look at Professional Ethics
Natural Acceptance of Human Values
Definitiveness of Ethical Human Conduct
A Basis for Humanistic Education
Humanistic Constitution and Universal Human Order
Competence in Professional Ethics
Holistic Technologies, Production Systems and Management Models
Strategies for Transition towards Value-based Life and Profession

(6 lectures/hours)

Essential Readings:

1. A Foundation Course in Human Values and Professional Ethics, R. R. Gaur et al., Excel Books, New Delhi 2006
2. Professional Ethics, R. Chadwick, Routledge Encyclopaedia of Philosophy, Edward Craig (ed.), Routledge, London, 1998
3. The Difficulty of Being Good, Gurucharan Das, Penguin Books, New Delhi, 1990
4. Jeevan Vidya: Ek Parichaya, A. Nagaraj, Jeevan Vidya Prakashan, Amarkantak, 1999
5. Website: www.madhyasth.org

लेवल	सेमेस्टर	विषय कोड	विषय शीर्षक	क्रेडिट				अंक		
				L	T	P	C			
L5.5	5	PHL-VEC-521	सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक न्याय : बी. आर. अम्बेडकर	2	0	0	2	आन्तरिक मूल्यांकन		बाह्य मूल्यांकन
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)

30 व्याख्यान/घंटा

- पाठ्यक्रम उद्देश्य:** इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय के विचारों से परिचित कराना है।
- अपेक्षित अधिगम परिणाम:** इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद, छात्र बी. आर. अम्बेडकर के दृष्टि से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय को समझ सकेंगे।

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थी में निम्नलिखित बातों की अपेक्षा है:

- बी. आर. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के विचार को समझें।
- लोकतंत्र, संवैधानिक व्यवस्था और राजनीतिक न्याय पर उनके विचारों का विश्लेषण करें।
- दार्शनिक नज़रिए से अर्थशास्त्र पर अम्बेडकर के विचारों का परीक्षण करें।
- भारत में जाति, असमानता और सामाजिक बहिष्कार से जुड़े मुद्दों को समझें।
- आधुनिक समाज में अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता को आलोचनात्मक नज़रिए से समझें।

विषय वस्तु

इकाई 1

बी. आर. अम्बेडकर का आरंभिक जीवन और उनपर पड़े प्रभाव
अम्बेडकर के विचारों पर बौद्ध धर्म का प्रभाव
धर्म की आलोचना

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 2

सामाजिक न्याय की अवधारणा
जाति व्यवस्था और सामाजिक असमानता
लैंगिक न्याय और लैंगिक समानता
सामाजिक बदलाव के साधन के रूप में शिक्षा

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 3

सामाजिक लोकतंत्र
संवैधानिक नैतिकता
सुशासन

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 4

अम्बेडकर का आर्थिक दर्शन

राज्य समाजवाद

औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण

आर्थिक लोकतंत्र

(6 व्याख्यान/घंटे)

इकाई 5

अम्बेडकर और महात्मा गांधी (अस्पृश्यता)

अम्बेडकर और कार्ल मार्क्स (क्रांति)

अम्बेडकर और अमर्त्य सेन (समावेशी विकास)

(6 व्याख्यान/घंटे)

आधारभूत पुस्तकें:

1. एक था डॉक्टर एक था संत, अरुंधति राय (अनुवाद-अनिल यादव, रतनलाल), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019
2. डॉ० बाबा साहेब अम्बेडकर : जीवन चरित्र, धनंजय कीर, पापुलर प्रकाशन, मुम्बई, 2016
3. अम्बेडकर की दृष्टि में बौद्ध धर्म, डॉ० धर्मकीर्ति, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, 2015
4. डॉ० अम्बेडकर का मानवतावादी चिन्तन, डी. आर. जाटव, समता साहित्य सदन, जयपुर, 1993
5. अछूत मतवाद के सच, विवेकानंद तिवारी, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली, 2011
6. भगवान बुद्ध और उनका धम्म, बी. आर. अम्बेडकर, बुद्ध भूमि प्रकाशन, नागपुर, 1997
7. बुद्धधम्म, बुद्धिवाद व अम्बेडकर, सुरेन्द्र अज्ञात, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, 2013
8. विकल्प की तलाश, रामगोपाल सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2008
9. वैबसाइट: <https://www.mea.gov.in/books-writings-of-ambedkar>
10. अध्यापक द्वारा दिये गए संदर्भ

Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits				Marks		
				L	T	P	C			
L5.5	5	PHL-VEC-521	Social, Political and Economic Justice: B. R. Ambedkar	2	0	0	2	Internal Assessment	External Assessment	
								Mid-I (20)	Mid-II (20)	End Semester (60)

30 lectures/hours

- 1. Learning Objectives:** This course aims at familiarizing the students with B. R. Ambedkar's idea of social, political and economic justice.
- 2. Course Learning Outcomes:** By undergoing this course, the students will develop an understanding of social, political and economic justice from B. R. Ambedkar's point of view.

On completion of the course, the students are expected to:

- (i) Understand B.R. Ambedkar's concept of social justice.
- (ii) Analyse his views on democracy, constitutionalism, and political justice.
- (iii) Examine Ambedkar's ideas on economics from philosophical perspective.
- (iv) Understand issues related to caste, inequality, and social exclusion in India.
- (v) Critically appreciate the relevance of Ambedkar's ideas in modern society.

Course Content

Unit I

B. R. Ambedkar's Early life and Influences
Influence of Buddhism on Ambedkar's Thought
Critique of Religion

(6 lectures/hours)

Unit II

The Concept of Social Justice
Caste System and Social Inequality
Gender Justice and Gender Equality
Education as a Tool for Social Change

(6 lectures/hours)

Unit III

Social Democracy
Constitutional Morality
Good Governance

(6 lectures/hours)

Unit IV

Ambedkar's Economic Philosophy
State Socialism
Industrialization and Modernization
Economic Democracy

(6 lectures/hours)

Unit V

Ambedkar and Mahatma Gandhi (Untouchability)

Ambedkar and Karl Marx (Revolution)

Ambedkar and Amartya Sen (Inclusive Growth)

(6 lectures/hours)

Essential Readings:

1. Annihilation of Caste, B. R. Ambedkar, Grapewine India, 2022
2. The Buddha and His Dhamma, B. R. Ambedkar, Prabhat Prakashan, 2024
3. The Doctor and the Saint: The Ambedkar-Gandhi Debate: Caste, Race and Annihilation of Caste, Arundhati Roy, Penguin, 2019
4. Who Were the Shudras? B. R. Ambedkar, Thaker and Co., Bombay, 1946
5. Waiting for a Visa: Autobiography of B. R. Ambedkar, JollyJoy Books, 2024
6. Website: <https://www.mea.gov.in/books-writings-of-ambedkar>
7. Material supplied by the instructor